MONTHLY SYLLABUS

SESSION-2017-18

CLASS-X

विषय-सामाजिक विज्ञान

अप्रैल - सितम्बर

माह	विषयवस्तु
	नोट : वार्षिक परीक्षा (सत्र के अन्त में) में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।
अप्रैल-मई 2017	इतिहास खण्ड II: जीविका, अर्थव्यवस्था एवं समाज अध्याय-4: भूमंडलीकृत विश्व का बनना भूमंडलीय विश्व का बनना, भारतीय व्यापार, उपनिवेशवाद और भूमंडलीय व्यवस्था, ब्रिटेन और भारत के औद्योगिक स्वरूप में अंतर, हस्तशिल्प और औद्योगिक उत्पाद में संबंध, औपचारिक एवं अनौपचारिक क्षेत्र, महायुद्धों के बीच अर्थव्यवस्था, मजदूरों की जीविका, महामंदी, विश्व अर्थव्यवस्था में युद्धोत्तर काल। अथवा अध्याय-5: औद्योगीकरण का युग औद्योगिक क्रान्ति - पहले और बाद में, आदि औद्योगीकरण और औद्योगिक परिवर्तन की रफ्तार, मजदूरों की जिंदगी, उपनिवेशों में औद्योगीकरण, भारत में बुनकर, प्रारंभिक उद्यमी और मजदूर, औद्योगिक विकास का अनूठापन, वस्तुओं के लिए बाजार। अथवा अध्याय-6: काम, आराम और जीवन लंदन में औद्योगीकरण और आधुनिक शहर का विकास बंबई-आवास और भूमि विकास, शहरों में सामाजिक बदलाव,

	शहर और पर्यावरण की चुनौती, शहरीकरण का नमूना, प्रवास और शहरों की वृद्धि, सामाजिक परिवर्तन और शहरी जीवन, व्यापारी, मध्यम वर्ग, मजदूर और शहरी गरीब व्यक्ति का अध्ययन- 19वीं और 20वीं सदी में लंदन और बंबई। भूगोल : समकालीन भारत 2 <u>अध्याय-1: संसाधन एवं विकास</u> संसाधन का अर्थ, संसाधन के प्रकार, संसाधनों का वर्गीकरण, सतत् पोषणीय विकास, संसाधन नियोजन भारत में क्यों और कैसे, भूमि एक संसाधन के रूप में, मृदा के प्रकार एव वितरण, भू-उपयोग प्रारूप में परिवर्तन, भूमि निम्नीकरण, मृदा अपरदन और संरक्षण के उपाय। लोकतांत्रिक राजनीति <u>अध्याय-1 एवं 2 : सत्ता की साझेदारी और संघवाद</u> लोकतंत्र में क्यों और कैसे सत्ता की साझेदारी ? संघवाद क्या है? भारत में सत्ता के संघीय विभाजन ने किस प्रकार राष्ट्रीय एकता में मदद पहुँचायी? विभिन्न सामाजिक समूहों के मध्य लोकतंत्र किस प्रकार सामंजस्य स्थापित करता है? लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी का केन्द्रीकरण, भारत में विकेन्द्रीकरण, किस सीमा तक विकेन्द्रीकरण अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रहा है?
जुलाई 2017	भूगोल <u>अध्याय-3: जल संसाधन</u> स्रोत, वितरण, उपयोग, बहु-उद्देशीय परियोजनाएँ, जल की दुर्लभता, संरक्षण और प्रबंधन की आवश्यकता, वर्षा जल संग्रहण, बहु-उद्देश्यीय नदी परियोजनाएँ और समन्वित जल संसाधन प्रबंधन। <u>अध्याय-4: कृषि</u>

	कृषि के प्रकार, विभिन्न कृषि पद्धति, शस्य प्रारूप, प्रौद्योगिकीय और संस्थागत सुधार, उसका प्रभाव, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान, वैश्वीकरण का कृषि पर प्रभाव। (नोट : एन. सी. ई. आर. टी. की पाठ्य पुस्तक में पृष्ठ संख्या 46 से 50 तक दिए गए विषय-वस्तु को हटा दिया गया है) अध्याय - 4 : मानचित्र कार्य (3 अंकों का) <u>लोकतांत्रिक राजनीति</u> अध्याय-3: लोकतंत्र और विविधता एवं अध्याय 4 : जाति धर्म और लैंगिक मसले लोकतंत्र और विविधता, समानताएँ, असमानताएँ और विभाजन, सामाजिक विभाजनों की राजनीति, लैंगिक मसले और राजनीति, धर्म, साम्प्रदायिकता और राजनीति, धर्मनिरपेक्ष राज्य, राजनीति में जाति।
अगस्त 2017	आर्थिक विकास की समझ <u>अध्याय-1: विकास</u> विकास की परंपरागत धारणा, राष्ट्रीय आय और राष्ट्रीय आय में वृद्धि - विद्यमान विकास के मानकों की आलोचनात्मक समीक्षा (प्रति व्यक्ति आय, शिशु मृत्यु दर, साक्षरता दर, अन्य आय और स्वास्थ्य संकेतक) स्वास्थ्य और शैक्षणिक विकास की आवश्यकता, मानव विकास सूचकांक। इतिहास <u>खण्ड II: रोज़ाना की जिंदगी, संस्कृति और राजनीति</u> निम्नलिखित में से किसी एक पाठ को करें अध्याय-7: मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया, यूरोप में मुद्रण का इतिहास, उन्नीसवीं सदी के भारत में छापेखाने में वृद्धि, मुद्रण संस्कृति, सार्वजनिक बहसें और राजनीति में संबंध, समाज और मुद्रण, मुद्रण संस्कृति और विचारों के प्रसार के संबंध में चर्चा

	करें। अथवा <u>अध्याय-8: उपन्यास, समाज और इतिहास</u> पश्चिम में उपन्यासों का उदय : एक विधा के रूप में, उपन्यास और आधुनिक समाज के परिवर्तनों में संबंध, उन्नीसवीं सदी के भारत के आरंभिक उपन्यास, दो अथवा तीन लेखकों का अध्ययन, लेखन के स्वरूप, विशिष्ट इतिहास, समाज के भीतर ऐतिहासिक परिवर्तनों का प्रतिबिंब और परिवर्तन की शक्तियाँ, लेखकों के विचार जिनका समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ा। <u>अध्याय-2: भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक</u> आर्थिक कार्यों के क्षेत्रक, क्षेत्रकों में ऐतिहासिक परिवर्तन, तृतीयक क्षेत्रक का बढ़ता महत्व, रोजगार सृजन, क्षेत्रकों का विभाजन-संगठित एवं असंगठित, असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों का संरक्षण। सुझाए गए क्रियाकलाप / निर्देश किसी बैंक अथवा साहूकार के पास जायें और चर्चा करें जो आपने कक्षा में बैक के बारे में पढ़ा है उसके संदर्भ में। स्वयं सहायता समूह की सभाओं में भाग लें जो सूक्ष्म साख योजनाओं में शामिल रहते हैं। वहाँ चर्चा किए गए मुद्दों का अवलोकन करें। <u>अध्याय-5: खनिज तथा ऊर्जा संसाधन</u> खनिजों के प्रकार, वितरण (नोटः केवल मानचित्र पर) खनिजों का उपयोग एवं आर्थिक महत्व, खनिजों का संरक्षण, ऊर्जा संसाधन के प्रकार, परंपरागत एवं गैर परंपरागत ऊर्जा संसाधन, वितरण, उपयोग एवं संरक्षण।
सितम्बर 2017	अर्थशास्त्र <u>अध्याय-3: मुद्रा और साख</u> अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका, ऐतिहासिक उत्पत्ति, बचत और

	साख के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक वित्तीय संस्थाएँ - सामान्य परिचय, औपचारिक संस्थाएँ जैसे - राष्ट्रयकृत व्यावसायिक बैंक, अनौपचारिक संस्थाएँ - स्थानीय साहूकार, भूस्वामी, स्वयं सहायता समूह, चिट फंड और निजी वित्तीय कंपनियाँ। नोट :- अध्याय-3 का मूल्यांकन सैद्धांतिक प्रश्न पत्र (Theory) में होगा। लोकतांत्रिक राजनीति <u>अध्याय-5: जन संघर्ष और आंदोलन</u> नोट: अध्याय-5: केवल परियोजना कार्य के लिए है। इसका मूल्यांकन प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) में नहीं होगा। <u>अध्याय-6: राजनीतिक दल</u> राजनीतिक दलों का अर्थ, जरूरत और कार्य। प्रतिस्पर्धा और चुनाव में राजनीतिक दल क्या भूमिका निभाते हैं? देश में महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों का परिचय।
अक्टूबर 2017	इतिहास खण्ड - I: इस खंड के तीन अध्यायों में से दो अध्याय पढ़ना है। अध्याय-3 अनिवार्य है, जबकि अध्याय - 1 और अध्याय - 2 में से किसी एक को पढ़ना है। खण्ड - I : घटनाएँ और प्रक्रियाएँ <u>अध्याय-1: यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय</u> 1830 के बाद यूरोप में राष्ट्रवाद में वृद्धि, ज्युसेपे मेत्सिनी के विचार, पोलैंड, हंगरी, इटली, जर्मनी और यूनान के आंदोलनों की सामान्य विशेषताएँ, 1830 की अवधि के पश्चात् यूरोप में राष्ट्र-राज्य निर्माण के साथ राष्ट्रवाद का विकास, राष्ट्र-राज्य का विचार यूरोप और दूसरे स्थानों पर एक सामान्य विचार बन गया।

	अथवा **<u>अध्याय-2: इंडो-चाइना में राष्ट्रवादी आंदोलन</u>** **इंडो-चाइना में राष्ट्रवाद में वृद्धि के कारण, इंडो-चाइना में फ्रांसीसी उपनिवेशवाद, साफ-सफाई, बीमारी और रोजमर्रा प्रतिरोध, औपनिवेशिक शिक्षा की दुविधा, दूसरा विश्वयुद्ध और स्वतंत्रता संघर्ष, अमेरिका और द्वितीय इंडो-चाइना युद्ध, कम्युनिस्ट आंदोलन और वियतनामी राष्ट्रवादी।** **भूगोल** **<u>अध्याय-6 : विनिर्माण उद्योग</u>** **विनिर्माण का महत्व, प्रकार और स्थानिक वितरण (नोट-केवल मानचित्र में) राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान, औद्योगिक प्रदूषण तथा पर्यावरण निम्नीकरण, पर्यावरणीय निम्नीकरण की रोकथाम,** **नोट : एन. सी. ई. आर. टी. की पाठ्य-पुस्तक की पृष्ठ संख्या 78, 79 एवं 80 पर दिए गए विषय-वस्तुः एल्यूमिनियम प्रगलन, रसायन उद्योग, उर्वरक उद्योग, सीमेंट उद्योग को कक्षा में बताने की जरूरत नहीं है।**
नवम्बर 2017	**<u>अध्याय-3: भारत में राष्ट्रवाद (अनिवार्य अध्याय)</u>** **प्रथम विश्वयुद्ध, खिलाफत, असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन, नमक सत्याग्रह, किसानों, मजदूरों और जनजातियों का आंदोलन, विभिन्न राजनीतिक समूहों की गतिविधियाँ, सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान भारतीय राष्ट्रवाद की विशेषताएँ, विभिन्न सामाजिक आंदोलनों की धाराएँ, विभिन्न राजनीतिक समूहों के लेख और विचार।** **(मानचित्र कार्य : केवल अध्याय 3 पर आधारित)** **<u>अध्याय-7: राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ</u>** **सिकुड़ते हुए विश्व में परिवहन और संचार का महत्व, परिवहन के प्रकार, सड़क परिवहन, समुद्री परिवहन, वायु परिवहन एवं**

	पाइपलाइन। किसी देश के आर्थिक विकास में व्यापार की भूमिका। पर्यटन-एक व्यापार के रूप में। अर्थशास्त्र <u>अध्याय-4: वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था</u> वैश्वीकरण क्या है? वैश्वीकरण के कारक, विश्व व्यापार संगठन, प्रभाव, न्यायसंगत वैश्वीकरण, भारत किस प्रकार वैश्वीकृत हो रहा है? 1991 से पूर्व विकास की नीतियाँ, 1991 का आर्थिक सुधार और अपनायी गई नीतियाँ, अन्तर्राष्ट्रीय उत्पादन,विश्व व्यापार और बाजारों की अन्तः क्रिया। <u>सुझाए गए क्रियाकलाप/ निर्देश</u> सेवा, क्षेत्रक की गतिविधियों का विभिन्न उदाहरण दें, चार्ट, फोटोग्राफ और संख्यात्मक उदाहरण का प्रयोग करें। अर्थशास्त्र <u>अध्याय-5: उपभोक्ता अधिकार</u> उपभोक्ताओं का शोषण किस प्रकार होता है? (एक अथवा दो सामान्य मामले का अध्ययन) उपभोक्ताओं के शोषण के कारक, उपभोक्ता जागरूकता का उदय, बाजार में उपभोक्ता को किस प्रकार होना चाहिए? उपभोक्ता संरक्षण में सरकार की भूमिका, एक उपभोक्ता के रूप में बच्चे को उसके अधिकार और कर्तव्य के प्रति जागरूक बनाना, बाजार में शोषण से बचाने के लिए उपलब्ध कानूनी उपाय। <u>सुझाए गए क्रियाकलाप / निर्देश</u> विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले शब्द चिन्ह (लोगो) का संग्रह, किसी नजदीकी उपभोक्ता अदालत में जाएँ और वहाँ की प्रक्रियाओं का कक्षा में चर्चा करें। समाचार पत्रों और उपभोक्ता अदालत के द्वारा उपभोक्ता शोषण और उनकी माँगों से संबंधित कहानियों का संग्रह करें।

दिसम्बर 2017	<u>अध्याय-7: लोकतंत्र के परिणाम</u> क्या लोकतंत्र को उसके परिणामों से मूल्यांकन कर सकते हैं अथवा किया जाना चाहिए। लोकतंत्र से कोई किस प्रकार के उचित परिणाम की उम्मीद करता है? क्या भारतीय लोकतंत्र इन उम्मीदों को पूरा करता है? कुछ प्रमुख आयामों के आधार पर भारतीय लोकतंत्र का मूल्यांकन : विकास, सुरक्षा और नागरिकों की गरिमा, भारत में लोकतंत्र की निरंतरता के कारणों को समझना। <u>अध्याय-8: लोकतंत्र की चुनौतियाँ</u> लोकतंत्र की मुख्य चुनौतियाँ क्या हैं? लोकतंत्र को कैसे सुधारा एवं मजबूत किया जा सकता है? भारतीय लोकतंत्र की ताकत और कमजोरियों के स्रोत, लोकतंत्र को मजबूत बनाने में एक साधारण नागरिक किस प्रकार की भूमिका निभा सकता है ?

परियोजना / क्रियाकलाप	• विद्यार्थी ठेठ ग्रामीण घरों का चित्र और भारत के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के कपड़े को इकट्ठा कर सकते हैं और परीक्षण करेंगे कि क्या उसका जलवायु दशाओं और किसी क्षेत्र की ऊँचाई से कोई संबंध है? • विद्यार्थी गाँवों में सिंचाई के विभिन्न स्रोतों और विगत दशक में बदलते शस्य प्रारूप के ऊपर संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं। पोस्टर : • घर के आस-पास जल प्रदूषण • वनों में ह्रास और ग्रीन हाऊस प्रभाव नोट : इससे मिलते-जुलते अन्य क्रिया-कलाप को भी लिया जा सकता है।

	<u>कक्षा - X परियोजना कार्य</u> **प्रत्येक विद्यार्थी को निम्नलिखित में से किसी एक विषय के ऊपर परियोजना कार्य पूरा करना अनिवार्य है।** **1. आपदा प्रबंधन (केवल कक्षा-X के आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम से संबंधित)** **- सुनामी** **- सुरक्षित निर्माण कार्य** **- जीवन रक्षक कौशल** **आपदा के दौरान वैकल्पिक संचार व्यवस्था** **उत्तरदायित्व को साझा करना** **अथवा** **2. लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन** **अथवा** **3. मुद्रा और साख** **परियोजना को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है:** **(a) विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने के लिए** **(b) च्यनित विषय के सभी पक्षों को समझने और सहसंबंध स्थापित करने में विद्यार्थी समर्थ होंगे।** **(c) सिद्धांत को प्रयोग से जोड़ना** **(d) जीवन के विविध संदर्भों के साथ संबंध** **(e) हस्त अभ्यास करना** **परियोजना कार्य से संबंधित विभिन्न चीजों में अंक विभाजन निम्नलिखित प्रकार से हैं:-** **संदर्भ अंक** **1. विषय की सटीकता तथा मौलिकता - 1** **2. प्रस्तुतीकरण तथा सृजनशीलता - 1** **3. परियोजना को पूर्ण करने की प्रक्रिया - 1**

	पहल, सहयोग, भागीदारी, समयनिष्ठता 4. विषय स्वांगीकरण के लिए मौखिक - 2 अथवा लिखित परीक्षा विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों पर तैयार किए गए परियोजना कार्य को आपस में साझा किया जायेगा। इसके लिए वे संवाद सत्र, प्रदर्शनी, पैनल चर्चा इत्यादि का आयोजन कर सकते हैं। इस गतिविधि के अंतर्गत मूल्यांकन से संबंधित सभी कागजात संबंध विद्यालय के द्वारा सूक्ष्मतापूर्वक संभाल कर रखा जाएगा। परियोजना कार्य का संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार किया जाना चाहिए जिसमें निम्नलिखित मुख्य बातों का उल्लेख होना चाहिए: • व्यक्तिगत अथवा सामूहिक अन्तर्क्रिया का उद्देश्य • क्रियाकलाप की तारीख • इस प्रक्रिया में उत्पन्न नये विचार • मौखिक अभिव्यक्ति में पूछे गए प्रश्न सभी शिक्षक और विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखेंगे कि परियोजना कार्य अथवा मॉडल बनाने में पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का इस्तेमाल हो तथा उसका लागत मूल्य कम से कम हो। परियोजना रिर्पोट बच्चों विद्यार्थियों द्वारा हस्त लिखित होना चाहिए जो 15 पृष्ठों से अधिक नहीं हों। परियोजना से संबंधित रिकॉर्ड परीक्षा परिणाम की तिथि से कम से कम तीन महीने तक रखा जाएगा ताकि बोर्ड इसकी जाँच कर सके। हालांकि न्यायिक विचाराधीन अथवा सूचना के अधिकार अधिनियम से जुड़े हुए मामलों में यह रिकॉर्ड तीन महीनों से भी अधिक समय तक संभाल कर रखा जा सकता है। <u>मानचित्र प्रश्न से संबंधित विषय-वस्तु</u> (A) इतिहास - भारत का राजनीतिक रेखा मानचित्र अध्याय-3: भारत में राष्ट्रवाद - (1918-1930) केवल पहचानने

	और चिन्हित करने के लिए 1. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन कलकत्ता (सितम्बर 1920), नागपुर (दिसम्बर 1920), लाहौर (1929) 2. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के महत्वपूर्ण केन्द्रः (असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन) (i) चम्पारन (बिहार) - नील किसानों का आंदोलन (ii) खेड़ा (गुजरात) - किसान सत्याग्रह (iii) अहमदाबाद (गुजरात) - सूती वस्त्र मिल मजदूरों का सत्याग्रह (iv) अमृतसर (पंजाब) - जलियाँवाला बाग हत्याकांड (v) चौरी-चौरा (उत्तर-प्रदेश) - असहयोग आंदोलन को समाप्त करना। (vi) डांडी (गुजरात) - सविनय अवज्ञा आंदोलन भूगोल भारत का राजनीतिक रेखा मानचित्र अध्याय-1: संसाधन और विकास केवल पहचानना : मृदा के मुख्य प्रकार अध्याय-3: जल संसाधन ढूंढना और चिन्हित करना बांध : सलाल, भाखड़ा नंगल, टिहरी, राणा प्रताप सागर, सरदार सरोवर, हीराकुंड, नागार्जुन सागर, तुंगभद्रा (नदियों के साथ) अध्याय-4: कृषि केवल पहचानना (a) चावल और गेहूँ के मुख्य उत्पादक क्षेत्र। (b) मुख्य उत्पादक राज्य : गन्ना, चाय, कॉफी, रबर, कपास और पटसन। अध्याय-5: खनिज और ऊर्जा संसाधन

	खनिज (केवल पहचानना) (i) लौह अयस्क खाने : म्यूरभंज, दुर्ग, बेलाडिला, बेलारी, कुद्रेमुख (ii) अभ्रक निक्षेप व खान, छोटा नागपुर पठार, कोडरमा, गया, हजारीबाग क्षेत्र, झारखंड, अजमेर, नेल्लोर, अभ्रक क्षेत्र। (iii) कोयले की खानें : रानीगंज, झरिया, बोकारो, तलचर, कोरबा, सिंगरौली, सिंगरैनी, नेवेली। (iv) तेल क्षेत्रः डिगबोई, नहरकटिया, मुंबई हाई, बसीन, कलोल, अंकलेश्वर। (v) बॉक्साइड निक्षेप : अमरकंटक पठार, मैकाल हिल, बिलासापुर - कटनी पठरी क्षेत्र, पंचपतमाली निक्षेप (उड़ीसा) <u>ऊर्जा केन्द्र</u> (ढूँढना और चिन्हित करना) (a) तापीय केन्द्र : नामरूप, तलचर, सिंगरौली, हरदुआगंज, कोरबा, उरण, रामागुडम, विजयवाड़ा, तूतीकोरिन। (b) आणविक केन्द्र : नरोरा, रावतभाटा, काकरापारा, तारापुर, कैगा, कलपक्कम। <u>अध्याय-6: विनिर्माण उद्योग</u> (केवला ढूँढना और चिन्हित करना) (1) सूती वस्त्र उद्योग : मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, सूरत, कानपुर, कोयंबटूर, मदुरई। (2) लोहा और इस्पात संयंत्रः बर्नपुर, दुर्गापुर, बोकारो, जमशेदपुर, राउरकेला, भिलाई, विजयनगर, भद्रावती, विशाखापटनम्, सेलम। (3) सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क : मोहाली, नोएडा, जयपुर, गाँधीनगर, इंदौर, मुंबई, पुणे, कोलकाता, भुवनेश्वर, विशाखापटनम्, हैदराबाद, बंगलौर, मैसूर, चेन्नई, तिरूवनंतपुरम।

	<u>अध्याय-7: राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ</u> **(केवल पहचान करना)** **स्वर्णिम चतुर्भुज, उत्तर-दक्षिण गलियारा, पूरब-पश्चिम गलियारा** **राष्ट्रीय राजमार्ग : एन. एच-1, एन. एच-2, एन. एच-7 ढूँढना और चिन्हित करना।** **मुख्य पतन : कांडला, मुंबई, जवाहरलाल नेहरू, मार्मागाओं, नयू मंगलौर, कोच्चि, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापट्नम् पाराद्वीप, हल्दिया, कोलकाता।** **अंतर्राष्ट्रीय हवाई पतन :** **अमृतसर (राजा सांसी), दिल्ली (इंदिरा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय), मुंबई (छत्रपति शिवाजी), तिरूवनंतपुरम (नेदिंबाचेरी), चेन्नई (मीनाम्बकम), कोलकाता (नेताजी सुभाषचंद्र बोस), हैदराबाद (राजीव गाँधी)** **नोटः ढूँढने और चिन्हित करने वाले स्थान, पहचान करने के लिए भी पूछा जा सकता है।**